



आपने अपने आस-पास अनेक जानवरों को देखा होगा। इनमें कुछ जानवर पालतू होते हैं, जिन्हें हम अपने उपयोग के लिए पालते हैं। कुछ जानवर जंगलों में रहते हैं। ऐसे जानवरों को वन्य जीव कहते हैं।



चित्रों को देखकर पालतू और जंगली जानवरों की सूची बनाइए।

पालतू जानवर

जंगली जानवर

.....

.....

जीव जन्तु हमें प्रकृति द्वारा दिए गए उपहार है। हम अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए किसी न किसी रूप में इन जन्तुओं पर निर्भर हैं। बैल, खच्चर, ऊँट, घोड़ा आदि जुताई, बोझ ढोने तथा सवारी ढोने का काम करते हैं। गाय, भैंस, भेड़, बकरी से दूध मिलता है। मुर्गी, बतख से हमें अण्डा मिलता है। इसी तरह मरे हुए जानवरों की खाल तथा हड्डियों से जूते, पर्स, बटन, कधी तथा अन्य सजावट की सामग्रियाँ बनती हैं। भेड़, ऊँट, याक जैसे जन्तुओं से हमें ऊन मिलता है।

तालिका पूरी करें -

उपयोगी वस्तु/पदार्थ का नाम	किस जन्तु से प्राप्त होता है	निर्मित वस्तु
ऊन	भेड़	शॉल, स्वेटर, कम्बल
.....		
.....		
.....		
.....		

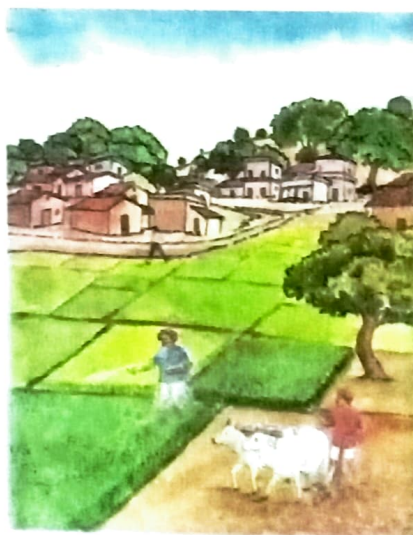


चर्चा करें-

- यदि ये उपयोगी जन्तु हमारे जीवन से धीरे-धीरे विलुप्त होते जाएं तो क्या होगा ?
कटते जंगल, विलुप्त होते जीव -



1



2



3

ऊपर बने चित्रों को देखें। इन चित्रों में क्रमशः परिवर्तन दिखाई पड़ रहा है।

आइए जानें ऐसा क्यों हुआ ?

आज से बहुत वर्ष पहले घने जंगल हुआ करते थे। इन जंगलों में तरह-तरह के पेड़-पौधे एवं वन्य जीव पाए जाते थे। पेड़-पौधों एवं वन्य जीवों की संख्या भी बहुत अधिक थी। जनसंख्या बढ़ने के साथ आवश्यकताएँ बढ़ीं। खेती करने व मकान बनाने के लिए हमें अधिक भूमि की आवश्यकता हुई। इस कारण घने जंगलों की कटाई शुरू (प्रारम्भ) की गई। जिससे पेड़-पौधे कम हो गए। पेड़-पौधों की संख्या कम होने के कारण वर्षा कम होने लगी। नदियाँ सूखने लगीं।

इसका असर जंगल में रहने वाले वन्य जीवों पर पड़ा। सुरक्षित स्थान एवं भोजन एवं पानी की कमी के कारण इनकी संख्या कम होने लगी। कुछ पशु-पक्षियों की प्रजातियाँ तो पूरी तरह खत्म हो गई हैं।

कारखानों, रेलवे लाइन सड़क व बाँधों आदि के निर्माण कार्यों ने बहुत से जीव-जन्तुओं के घरों को नष्ट किया। इसके परिणामस्वरूप पशु-पक्षियों की संख्या में गिरावट आई।

कुछ लोग अपने फायदे के लिए गैर कानूनी तरीके से जानवरों का शिकार करते हैं। हाथी दाँत के लिए हाथियों का शिकार किया जाता है। बाघ, शेर, हिरन, कछुआ आदि जानवरों की खाल का अवैध व्यापार किया जाता है। गैंडों व बारहसिंगों को उनकी सींग के लिए मार दिया जाता है।

इन कारणों से वन्य जीवों की संख्या लगातार कम होती जा रही है। पशु-पक्षियों की वे प्रजातियाँ जो पूरी तरह समाप्त (खत्म) हो चुकी हैं, विलुप्त प्रजातियाँ कहलाती हैं। ये प्रजातियाँ अब दिखाई नहीं देती हैं। जबकि कुछ प्रजातियाँ खत्म होने की कगार पर हैं, जिन्हें संकटग्रस्त प्रजातियाँ कहते हैं।

वन्य जीव

विलुप्त प्रजातियाँ

डायनासोर

मेमथ

लाल पाण्डा

डोडो पक्षी

लाल तोता

संकटग्रस्त प्रजातियाँ

गौरैया

अफ्रीकन हाथी, बाघ

गिद्ध

साही

शेर, काला हिरण, बारहसिंगा, कछुआ



डायनासोर



डोडो

वन्य जीवों का संरक्षण –

वन्य जीवों को बचाने के लिए सरकार द्वारा कानून बनाए गए हैं। जानवरों की खाल, दाँत, हड्डी, सींग के अवैध व्यापार पर रोक लगा दी गई है। पशु-पक्षियों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय उद्यानों एवं वन्य जीव अभ्यारण्यों की स्थापना की गई है। इन स्थानों में वन्य जीवों का शिकार करना मना होता है। यहाँ पशु-पक्षी स्वतंत्र रूप से रहते हैं।



चर्चा करिए—

- गौरैया को बचाने के लिए क्या कर सकते हैं ?

भारत के प्रमुख वन्य जीव अभ्यारण्य एवं उद्यान

- दुधवा राष्ट्रीय उद्यान (उ.प्र.)
- चन्द्रप्रभा वन्य जीव अभ्यारण्य (उ.प्र.)
- राजाजी राष्ट्रीय उद्यान (उत्तराखण्ड)
- गिर राष्ट्रीय उद्यान (गुजरात)
- नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान (उत्तराखण्ड)
- जिम कार्बेट राष्ट्रीय उद्यान (उत्तराखण्ड)
- बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान (कर्नाटक)
- काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान (असोम)
- बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान (म.प्र.)
- कान्हा किसली अभ्यारण्य (म.प्र.)
- सरिस्का राष्ट्रीय उद्यान (राजस्थान)

इसे भी जानें

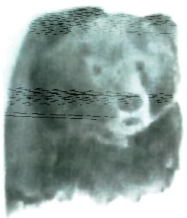
- रेड डाटा बुक वह किताब है जिसमें सभी संकटग्रस्त प्रजातियों का रिकार्ड रखा जाता है।
- गौरैया को बचाने के लिए अब हर साल 20 मार्च को “विश्व गौरैया दिवस” मनाया जाता है।
- बाघ हमारा राष्ट्रीय पशु है। इसका अस्तित्व खतरे में है। इसकी सुरक्षा के लिए बाघ परियोजना (प्रोजेक्ट टाइगर) लागू की गई है।

जानवरों के प्रति संवेदनशीलता—

दिए गए चित्रों को देखिए और पढ़िए—



अब यह पिटारी ही मेरा घर बन गया है। मैं तो जंगल के जानवरों से मिलना भूल ही गया हूँ।



यह मत सोचो कि मैं सर्कस में नाचकर, कूदकर और कई तरह के करतब दिखाकर खुश हूँ। अगर मैं ये सब न करूँ, तो भूखा रहूँ।



नाचते-नाचते मेरी हालत खराब हो जाती है। कभी-कभी तो खाली पेट नाचना पड़ता है।



पिंजड़े में बन्द रहकर मैं खुली हवा में साँस लेना भूल ही गया हूँ। इस पिंजड़े में रहकर मेरे पंख भी किसी काम के नहीं।

- ये जानवर उदास क्यों हैं ?

- सभी जानवरों की बातों को पढ़कर आपको क्या सीख मिलती है ?

प्रायः आपने मदारी, सँपेरे आदि के बारे में सुना होगा। मदारी बन्दर, भालू आदि का खेल दिखाता है। इसी तरह सँपेरा तरह-तरह के साँप दिखाता है तथा अपनी बीन की धुन पर उन्हें नचाता है। ये लोग अपनी रोजी-रोटी के लिए इन जानवरों पर निर्भर होते हैं। ये लोगों का मनोरंजन करते हैं और बदले में लोग इन्हें अनाज, पैसे आदि देकर जीवन-यापन (गुजर-बसर) में उनकी मदद करते हैं।

हम जानवरों पर किसी न किसी प्रकार से निर्भर होते हैं। हम अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए विभिन्न जानवरों को पालते हैं। जानवरों को पालने के साथ-साथ हमें उनके प्रति संवेदनशील होना चाहिए। हमें उनकी देखभाल करनी चाहिए। उनके भोजन, चिकित्सा की व्यवस्था करनी चाहिए। पक्षियों के लिए अपने घर के बाहर या छत पर उनके दाना-पानी की व्यवस्था करनी चाहिए। सड़कों पर घूमने वाले अन्य जानवरों को भी हमें छेड़ना नहीं चाहिए। यदि संभव हो तो उन्हें भी खाना देना चाहिए।



अभ्यास

1. सही वाक्यों पर (✓) का चिह्न तथा गलत वाक्यों पर (x) का चिह्न लगाएं-

- (क) जंगली जानवरों को हम अपने घर में पालते हैं। ()
- (ख) गिद्ध एक विलुप्त प्रजाति है। ()
- (ग) जानवरों के प्रति हमें संवेदनशील होना चाहिए। ()
- (घ) वन्य जीवों को बचाने के लिए राष्ट्रीय पार्कों की स्थापना की गई है। ()
- (ङ) जिम कार्बेट अभयारण्य मध्य प्रदेश में स्थित है। ()
- (च) जंगलों के कटने से पशु-पक्षियों की संख्या में वृद्धि हुई है। ()
- (छ) मदारी बीन की धुन पर बंदर को नचाता है। ()

2. दिए गए शब्दों की सहायता से खाली जगह भरिए -

रेड डाटा बुक, ऊन, विलुप्त, बाघ, उपहार

- (क) डायनासोर एक प्रजाति है।
- (ख) भेड़, ऊँट, याक आदि जन्तुओं से हमें प्राप्त होता है।
- (ग) संकटग्रस्त प्रजातियों का रिकार्ड में रखा जाता है।
- (घ) हमारा राष्ट्रीय पशु है।
- (ङ.) जीव-जन्तु हमें प्रकृति द्वारा दिए गए हैं।

3. प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

- (क) वन्य जीवों की संख्या में गिरावट क्यों होती जा रही है ?
- (ख) उत्तराखण्ड राज्य के दो राष्ट्रीय उद्यानों के नाम लिखिए।
- (ग) प्रोजेक्ट टाइगर क्या है ?
- (घ) किन्हीं दो संकटग्रस्त एवं विलुप्त प्रजातियों के नाम लिखिए ?
- (ङ) वन्य जीव अभयारण तथा राष्ट्रीय उद्यानों की स्थापना क्यों की गई ?



प्रोजेक्ट वर्क

1. विलुप्त हो रहे विभिन्न जीव-जन्तुओं या पक्षियों के चित्र चार्ट पेपर पर चिपकाएँ तथा उनके बारे में जानकारी एकत्र कर लिखें। उनके लुप्त होने के कारण लिखकर उनकी एक रिपोर्ट तैयार कर कक्षा में लगाएँ।